# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 21 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 22 फरवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

बुराई को देखना और सुनना ही बुराई की शुरुआत है।
-कन्फ्यूशियस

सुमित नागल की वर्ल्ड रैंकिंग... 7 | चाचा को बदायूं भेजने के पीछे... 3 | मिलकर जुटिए, जीत हासिल होगी... 2


# लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने फिर लहराया परचम

» पार की 30 लाख सब्सक्राइबर की संख्या

» सच को आगे लाता है 4पीएम न्यूज नेटवर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बेलगाम हो चुकी सत्ता को सच का आईना दिखाने में जुटा लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने एकबार फिर परचम लहराया है। सच को आम जनतक पहुंचाने की मुहिम में जुटे 4पीएम ने फरवरी के महीने में 30 लाख यानी 3 मिलियन सब्सक्राइबर पूरे कर लिए हैं। यही नहीं अपनी बेबाक खबरों की वजह से चैनल के व्यूज में भी उत्तरोत्तर जबरदस्त उछाल देखने को मिला है।

पिछले कई महीने के भीतर इसकी संख्या में लागातार बढ़ोत्तरी हो रही है। गौरतलब है कि सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि 4पीएम दिनो-दिन आगे बढ़ता जा रहा है। इससे पहले 4पीएम यूट्यूब चैनल देश का नंबर वन यूट्यूब चैनल बना था। वहीं दिसंबर के महीने में भी 4पीएम 106.8 मिलियन यानी कि साढ़े 10 करोड़ से भी अधिक व्यूज के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। ये आंकड़े द डाटा बिंग्स के हैं। नवंबर से दिसंबर के बीच 4पीएम के व्यूज में 2 मिलियन से भी ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है। नवंबर के महीने में 104.7 मिलियन व्यूज के साथ 4पीएम दूसरे स्थान पर था। जबकि इस बार 20 लाख व्यूज से भी ज्यादा की बढ़ोत्तरी के साथ आपका 4पीएम 106.8 मिलियन के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

## लोग लेते हैं सिर आंखों पर

4पीएम की बढ़ती लोकप्रियता ये दर्शाती है कि सत्ता से सवाल करना लोगों को आज भी पसंद है। हर कोई सच को ही देखना चाहता है। बस कोई सच दिखाने वाला हो। 4पीएम की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है और कीर्तिमानों की नई ऊंचाईयों पर चढ़ता जा रहा है। लोगों के मिल रहे प्यार का ही नतीजा है कि 4पीएम की श्रृंखलाओं में भी आए दिन बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्तमान समय में 4पीएम नेशलन के अलावा सात राज्यों के भी क्षेत्रीय यूट्यूब चैनल चल रहे है। इसके अलावा एंटरटेनमेंट के लिए 4पीएम बॉलीवुड का भी चैनल चल रहा है। यही वजह है कि देखते-देखते सब्सक्राइबर्स की संख्या कब 1 मिलियन से 3 मिलियन से अधिक पहुंच गई पता ही नहीं चला।

## जारी है सत्ता से तीखे सवाल पूछने का सिलसिला

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की जिद की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में अपनी अलग पहचान बना रहा है। निरंतर अपनी लोकप्रियता में दिन दोगुनी रात चौगुनी बढ़ोत्तरी कर रहा है।

# गठबंधन की एका से मोदी सरकार घबराई, ईडी-सीबीई की ओट में आई

## पूर्व राज्यपाल मलिक के यहां सीबीआई का छापा

» सीएम केजरीवाल को ईडी का सातवां समन

» विपक्ष बोला- डरेंगे नहीं, बीजेपी की खोलेंगे पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हुई है। सियासी दल भी अपनी मेहनत में जुट गए हैं। इंडिया गठबंधन में एक बार फिर सहमति बनती नजर आने लगी है। यूपी में सपा-कांग्रेस व दिल्ली में आप व कांग्रेस में सीटों को लेकर बातचीत सार्थक हो रही है। वहीं राहुल गांधी की न्याय यात्रा में जुट रही अपार भीड़ से घबराई बीजेपी सरकार ने फिर से ईडी व सीबीआई के सहारे अपने विपक्षियों को परेशान करना शुरू कर दिया है। उसने जहां पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के आवास पर सीबीआई का छापा मारा है।

वहीं ईडी ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल को फिर एकबार समन भेजा है। इसन सबके बीच मोदी सरकार पर पूरा विपक्ष हमलावर है। विपक्ष ने कहा है कि सरकार ने दस साल में कुछ नहीं किया और जब उसे लग रहा है विपक्ष उसकी पोल खोलने में लगा है तो वह आईटी, सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग कर रही है। सीबीआइ ने आज (22 फरवरी) 2019 में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में 2,200 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के परिसरों सहित 30 से अधिक स्थानों पर छापे मारे। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा इस प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया गया था।

## मैं बीमार, तानाशाह परेशान कर रहा : मलिक

वहीं सत्यपाल मलिक ने कहा कि मै बीमार हूं और मुझे तानाशाह द्वारा परेशान किया जा रहा है। ज्ञात हो कि 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने दावा किया था कि उन्हें दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी। इसके बाद सीबीआइ ने पिछले साल अप्रैल में एक मामला दर्ज किया था। इसके मामले में जांच एजेंसी ने कई अधिकारियों और व्यक्तियों से जुड़े परिसरों पर पिछले तीन मौकों पर तलाशी ली थी। मामला दर्ज करने के बाद सीबीआइ ने पिछले साल अप्रैल में 10 स्थानों पर और जून 2022 में 16 स्थानों पर तलाशी ली। इस साल मई में भी 12 स्थानों पर तलाशी ली गई थी।

## कोर्ट में मामला सरकार कर रही गैर कानूनी कार्य : आप

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी का 7वां समन मिला है। ईडी ने गुरुवार (22 फरवरी) को उन्हें समन भेजते हुए पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया है, इससे पहले अरविंद केजरीवाल को सोमवार (19 फरवरी 2024) को ईडी के सामने पेश होना था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुए। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी ने तब पूछताछ के लिए केजरीवाल को समन भेजा था। आप ने ईडी के समन को गैर कानूनी बताते हुए तब कहा था कि ईडी के समन की वैधता का मामला अब कोर्ट में है। ईडी ने खुद कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी को बार बार समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। यह छठी बार था, जब केजरीवाल ईडी के समन पर पेश नहीं हुए थे। ईडी ने केजरीवाल को पहला समन 2 नवंबर 2023 को भेजा था। इस समन पर वह पेश नहीं हुए। दूसरा समन ईडी ने 21 दिसंबर 2023 को भेजा, इसमें भी दिल्ली के सीएम पेश नहीं हुए।

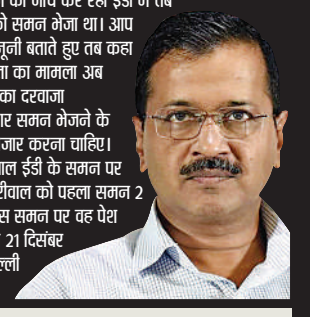

## सीबीआई ने बीआरएस नेता कविता को अगले सप्ताह किया तलब

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस नेता के. कविता को अगले सप्ताह तलब किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कविता को सोमवार को यहां सीबीआई मुख्यालय में जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने इससे पहले दिसंबर, 2022 में हैदराबाद में कविता के आवास पर उनका बयान दर्ज किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया है कि मामले के एक आरोपी विजय नायर ने आम आदमी पार्टी नेताओं को पहुंचाने के लिए 'साउथ ग्रुप' नामक समूह (सरत रेड्डी, कविता और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी द्वारा नियंत्रित) से कम से कम 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मिली थी।

# मिलकर जुटिए, जीत हासिल होगी : अखिलेश

## » प्रियंका की वजह से सपा-कांग्रेस में हुई सुलह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद जाते समय को बरेली हवाई अड्डे पर चेंजओवर के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ बातचीत की। उनका हालचाल पूछा और कहा कि बड़ी लड़ाई है, मिलकर जुटिए, जीत हासिल होगी। साथ ही बरेली लोकसभा क्षेत्र से घोषित पार्टी उम्मीदवार प्रवीण सिंह ऐरन की ओर मुखातिब होकर कहा कि डट जाइए आपको जीतना है। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे सामने हैं। जनता सपा की ओर उम्मीद भरी निगाह से देख रही है। अखिलेश यादव से हवाई अड्डे पर मुलाकात करने वालों में भोजीपुरा के विधायक शहजिल इस्लाम, बहेड़ी के विधायक अताउर्रहमान व बदायूं जिले की शेखूपुर विधानसभा क्षेत्र के हिमांशु यादव शामिल थे।

पूर्व जिलाध्यक्ष वीरपाल सिंह यादव और प्रदेश प्रवक्ता मयंक शुक्ला ने भी मुलाकात की। अखिलेश ने संक्षिप्त मुलाकात में चुनावी तैयारी में जुटने का संदेश देते हुए कहा कि समाज का हर वर्ग समाजवादी पार्टी की ओर देख रहा है। पार्टी एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरेगी तो जीत हर हालत में हासिल होगी। सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे में प्रियंका गांधी ने अहम भूमिका निभाई। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व ने कांग्रेस हाईकमान को संदेश भिजवा दिया कि वो 17 सीटों पर शीघ्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे। मंगलवार की शाम तक जवाब नहीं आया तो 17 सीटों में शामिल वाराणसी सीट पर अपना उम्मीदवार भी उतार दिया। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूरे मामले में दखल दिया। फिर बुधवार की सुबह दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व के बीच फोन से वार्ता हुई। इसके बाद गठबंधन की औपचारिक घोषणा का फैसला किया गया। इंडिया के बैनर तले सपा और कांग्रेस के गठबंधन का विस्तार तीन राज्यों में होगा। यूपी में कांग्रेस को 17 लोकसभा सीटें मिली हैं, वहीं मध्य प्रदेश में सपा एक सीट पर लड़ेगी। इससे एमपी के विधानसभा चुनाव में दोनों दलों में पैदा हुई खटास कम होगी। सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड में भी कांग्रेस प्रत्याशियों को सपा समर्थन देगी। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व ने सोमवार को कांग्रेस हाईकमान को संदेश भिजवा दिया कि वह 17 सीटों पर शीघ्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे। मंगलवार शाम तक जवाब नहीं आया तो वाराणसी सीट पर सपा ने अपना उम्मीदवार भी उतार दिया। अखिलेश यादव ने कांग्रेस और सपा के बीच सीटों का बंटवारा तय होने पर एक्स पर कहा कि सौहार्दपूर्ण गठबंधन की सबको बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान बचाने के लिए, लोहिया के संख्यानुपातिक हिस्सेदारी के सिद्धांत को अमल में लाने के लिए, समाजवादी मूल्यों को सक्रिय करके बराबरी लाने और 90 प्रतिशत पीडीए को उनका हक दिलवाने के लिए सभी एक हो जाएं।

**एमपी व उत्तराखंड में भी साथ लड़ेंगे सपा-कांग्रेस**

## यूपी में फिर दो लड़कों की जोड़ी

इस गठबंधन के साथ एक बार फिर यूपी में दो लड़कों की जोड़ी विपक्ष की ओर से भाजपा के खिलाफ मोर्चा संभालेगी। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस ने मिलकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। तब अखिलेश यादव और राहुल गांधी की जोड़ी को दो लड़कों की जोड़ी के रूप में प्रचारित किया गया था। हालांकि जोड़ी को तब करारी हार मिली थी। कांग्रेस 105 विधानसभा सीटों पर लड़कर सिर्फ 7 जीत पाई थी।

## इंडिया गठबंधन में सभी दलों का स्वागत : अविनाश पांडेय

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने बताया कि कांग्रेस चुनाव कमेटी की बैठक में प्रत्याशियों के नाम तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों की घोषणा जल्द होगी। दूसरी तरफ राजेंद्र चौधरी ने बताया कि वाराणसी से सपा ने पहले ही उम्मीदवार घोषित कर दिया है। अब गठबंधन के बाद सपा उम्मीदवार का नाम वापस लेगी। पांडेय ने बताया, उम्मीद है कि 24 को मुरादाबाद से शुरू होने वाली कांग्रेस की दूसरे चरण की न्याय यात्रा में अखिलेश भी शामिल होंगे। उन्हें फिर से निमंत्रण दिया जा रहा है। सपा से गठबंधन होने के बाद कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने बताया कि कांग्रेस चुनाव कमेटी की बैठक में प्रत्याशियों के नाम तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों की घोषणा जल्द होगी। इंडिया गठबंधन से जुड़े विभिन्न दलों के सवाल पर अविनाश पांडेय ने कहा, 63 सीटें सपा के पास हैं। अभी सिर्फ कांग्रेस की सीट की घोषणा हुई है। उसे 17 सीटें मिली हैं। इंडिया गठबंधन में सभी दलों का स्वागत है। आजाद समाज पार्टी को सीट के सवाल पर उन्होंने कहा कि जिस भी दल को सीट देने की जरूरत होगी, उस पर सपा अध्यक्ष फैसला लेंगे।

# प्रदर्शन कर रहे किसान हमारे अन्नदाता : अनुराग ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के बीच केंद्र सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र ने गन्ने का न्यूनतम मूल्य 25 रुपये बढ़ाकर प्रति क्विंटल 340 रुपये कर दिया है। इस बाबत सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मोदी कैबिनेट के निर्णयों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शन कर रहे किसानों से बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे भाई और अन्नदाता हैं।

साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी सरकार ने किसानों के लिए आय को बेहतर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। इस दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या कैबिनेट बैठक के दौरान पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के मुद्दे पर चर्चा हुई? उन्होंने कहा कि केंद्र बातचीत के लिए तैयार है। अनुराग ने कहा कि हम पहले भी बातचीत के लिए तैयार थे और आज भी तैयार हैं और भविष्य में भी उनके मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रहेंगे।

# बीजेपी करती है ओछी हरकत : भारद्वाज

## » मेयर चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आप ने सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। आप नेता ने कहा ईडी का समन मामला हो या मेयर चुनाव में धांधली बीजेपी ऐसी ओछी हरकते करती रहती है पर हमें पूरा विश्वास है कि इस लड़ाई में लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत होगी। आज खुशी से ज्यादा चिंता है। सौरभ भारद्वाज ने सवाल उठाते हुए कहा कि आजादी के क्या मायने होते हैं?

सड़कें-ट्रेन अंग्रेज भी बना रहे थे, आजादी का मकसद था कि लोग अपनी सरकार चुनें और उस सरकार से देश चले। आज चिंता इस बात की है, खुद को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताने वाली पार्टी छोटे से चुनाव को जीतने के लिए हर हथकंडे अपनाए, जो कैमरे में भी कैद हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से इस पार्टी को एक्सपोज किया है मुझे नहीं लगता इतनी साफगोई से कोई सरकार एक्सपोज हुई होगी। इतने छोटे चुनाव में भी बेईमानी हुई। कोर्ट ने हुई सुनवाई का जिक्र करते हुई सौरभ भारद्वाज बोले कि यह कोई साधारण इलेक्शन नहीं था, इस इलेक्शन को कराने के लिए बार-बार आप सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। सबसे पहले जनवरी में हाईकोर्ट में रिट लगाकर इलेक्शन कराने अर्जी लगाई गई। इसके बाद कोर्ट ने ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ इलेक्शन कराने के ऑर्डर दिए। इसके बाद फिर से इलेक्शन में हो रही देरी को लेकर कोर्ट में जाना पड़ा। जब इलेक्शन हुआ तो उसमें क्या हुआ यह सबने देखा। मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को इंडिया गठबंधन की पहली जीत करार दिया है। साथ ही कहा कि आप को एक-एक फाइल को साइन कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जाना पड़ता है। आज चिंता आप की इस देश को और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बचाने की है।

## दिल्ली में सीटों पर कांग्रेस-आप में बनी सहमति

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर आप-कांग्रेस गठबंधन को लेकर सहमति बनती नजर आ रही है। सूत्रों के मुताबिक- दिल्ली में 4 सीटों पर आप और कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। कांग्रेस और आप के दिल्ली गठबंधन के फॉर्मूले में आम आदमी पार्टी नई दिल्ली, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली और साउथ दिल्ली से चुनाव लड़ेगी। वहीं कांग्रेस पूर्वी दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली और चांदनी चौक से चुनाव लड़ेगी। दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत अंतिम तौर में है। इससे पहले केजरीवाल ने कहा था कि कि इसमें काफी देर हो चुकी है, यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली की सभी सात सीटों पर चुनाव के लिए तैयार है।

# सरकार कुछ भी गलत होने पर हमेशा कार्रवाई करती है: ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संदेशखाली हिंसा को लेकर भाजपा पर हमला बोलते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भाजपा क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रही है, और उसने अपने नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। मुख्यमंत्री ममता ने कहा था कि उनकी सरकार कुछ भी गलत होने पर हमेशा कार्रवाई करती है, उन्होंने कहा था कि हम हमेशा कुछ भी गलत होने पर कार्रवाई करते हैं, पहले ईडी, फिर भाजपा, और अब मीडिया... वे वहां शांति को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर कोई आरोप हैं, तो हम कार्रवाई करेंगे, और जो भी लिया गया जबरन लौटाया जाएगा।

मैंने पुलिस से स्वत: संज्ञान लेने को कहा है कि हमारे ब्लॉक अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है, भांगर में अराबुल इस्लाम को भी गिरफ्तार किया गया है, लेकिन भाजपा ने अपने नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की।

## बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब : बीजेपी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में बीते दिनों हिंसा को लेकर भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार पर एक बार फिर हमला बोला है, संदेशखाली पर एक चैनल के रिपोर्ट को ट्वीट करते हुए बीजेपी ने लिखा है ये वो सच्चाई है जो आपको हिला कर देगी। ये वो सच्चाई है जिसे जानकर आपको दर्द होगा और ये वो सच्चाई है जो आपकी अंतरात्मा तक को हिलाकर रख देगी, ये वो सच्चाई है जिसे ममता छिपाने की कोशिश कर रही हैं। घटना सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है, ममता इसका अभी भी बचाव कर रही हैं। शुभेंदु कोर्ट के आदेश पर संदेशखाली गए और महिलाओं ने रो रो कर उनके सामने अपनी बात रखी लेकिन ममता जी इस मामले पर क्या और क्यों छुपा रही है। उन्होंने कहा था कि ममता सीपीएम के खिलाफ आंदोलन कर के आईं लेकिन आखिर उनका अत्याचार सीपीएम से भी अधिक हो गया।

# चाचा को बदायूं भेजने के पीछे अखिलेश का बड़ा दांव

» अपने खोए गढ़ को फिर हासिल करना चाहती है सपा

» शिवपाल बनेंगे पार्टी के खेवनहार

» किसी सेफ सीट पर भेजे जा सकते हैं धर्मेंद्र यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में अब सिर्फ एक-दो महीने का ही समय बाकी रह गया है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम शुरू हो चुका है। तो वहीं प्रत्याशियों का चयन और टिकट बंटवारे को लेकर भी राजनीतिक दलों ने काम करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश की प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी अब तक 31 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। हालांकि, अब सपा और कांग्रेस के बीच भी बात बनती नजर आ रही है, जिसके बाद संभव है कि कुछ प्रत्याशियों का बदलाव समाजवादी पार्टी की तरफ से किया जाए। सपा-कांग्रेस के बीच 17 सीटों पर बात बनने की जानकारी है।यानी कि सपा कांग्रेस को 17 लोकसभा सीटें देने को तैयार है।

कांग्रेस से गठबंधन के बाद अब विपक्ष प्रदेश में कुछ हद तक को मजबूत जरूर होगा। जिससे भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तो वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में भी पिछले कुछ दिनों से काफी हलचल मची हुई है। हलचल मचने की वजह राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में पार्टी के अंदर ही नाराजगी होना। जिसके बाद स्वामी प्रसाद मौर्य और सलीम शेरवानी जैसे नेताओं के इस्तीफे ने सपा में हलचल तेज की। हालांकि, पार्टी में हो रहे इस्तीफों के बीच मंगलवार को समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशियों की अपनी एक और सूची भी जारी की। लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची में समाजवादी पार्टी ने पांच उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। लेकिन इस सूची में सबसे चौंकाने वाला व बड़ा नाम रहा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व दिग्गज नेता शिवपाल सिंह यादव का। इस तीसरी सूची में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव को बदायूं लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। शिवपाल यादव को बदायूं से टिकट मिलने इसलिए चौंकाता है क्योंकि सपा ने अपनी पहली सूची में बदायूं से धर्मेंद्र यादव को पार्टी का प्रत्याशी बनाया था। लेकिन अब अचानक भाई धर्मेंद्र यादव का टिकट काटकर अखिलेश ने चाचा शिवपाल को बदायूं की जिम्मेदारी सौंप दी है। अचानक हुए इस सीट बदलाव ने प्रदेश में सियासी हलचल बढ़ा दी। इस बड़े बदलाव के बाद अब सबके दिमाग में बस ये ही सवाल घूम रहा है कि आखिर अखिलेश ने अचानक भाई की जगह चाचा को बदायूं क्यों भेज दिया? सपा की इस रणनीति के पीछ सब अलग-अलग वजहें बता रहे हैं और अपने-अपने कयास लगा रहे हैं।

दरअसल, बदायूं सीट से 2019 में धर्मेंद्र यादव सपा के टिकट पर चुनाव मैदान में थे। माना जा रहा था कि 2024 में भी पार्टी धर्मेंद्र पर ही दांव लगाएगी और उन्हें पहली सूची में बदायूं से प्रत्याशी घोषित भी किया गया था। लेकिन सपा की तीसरी लिस्ट के साथ ही यह साफ हो गया कि अब धर्मेंद्र की जगह शिवपाल यादव यहां से ताल ठोकते नजर आएंगे। सपा के इस दांव के सियासी मायने भी तलाशे जाने लगे हैं, खासकर तेजी से बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में। चर्चाएं इस बात की हो रही हैं कि सपा के कद्दावर नेता और बदायूं से चार बार के सांसद रहे सलीम इकबाल शेरवानी के पार्टी छोड़ने के बाद सपा के लिए बदायूं सीट कमजोर मानी जाने लगी है। इसलिए, सियासी गलियारों में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कमजोर हुई बदायूं सीट पर शिवपाल यादव को टिकट क्यों दिया गया। तो वहीं कुछ चर्चाएं ये भी उठ रही हैं इस बदलाव की वजह स्वामी प्रसाद मौर्य हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी सपा से किनारा कर लिया है। चुनावी साल में तेजी से बनते-बिगड़ते समीकरणों के बीच बदायूं से शिवपाल की उम्मीदवारी के पीछे क्या स्वामी से अदावत वजह है?

## शिवपाल पर बड़ी जिम्मेदारी

इन सियासी बदलाव के चलते शायद बदायूं अब समाजवादी पार्टी के लिए उतनी मजबूत सीट नहीं रही। क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां पर अच्छी जीत हासिल की थी। अब वर्तमान समय में समाजवादी पार्टी के बड़े नेता सलीम इकबाल शेरवानी के साथ मुस्लिम और यादव के कांबिनेशन से पार्टी मजबूती से आगे की सियासी राह पर बढ़ रही थी। लेकिन शेरवानी के अचानक पार्टी छोड़ने से बदायूं की पूरी सियासी गणित बिगड़ गई। वह कहते हैं कि इन्हीं सियासी समीकरणों को देखकर कयास लगाए जा रहे हैं कि बदायूं की सीट समाजवादी पार्टी के लिए अब उतनी मजबूत नहीं रही। राजनीतिक जानकार भी मानते हैं कि शिवपाल यादव को उस लोकसभा सीट पर मैदान में उतारा गया है जो सियासी गुणा गणित के लिहाज से फिलहाल कमजोर हो चुकी है। हालांकि, समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओं का मानना है कि शिवपाल यादव का जमीनी नेटवर्क मुलायम सिंह यादव की तरह ही मजबूत है। बदायूं की विपरीत सियासी परिस्थितियों में भी शिवपाल यादव पार्टी के बड़े खेवनहार हो सकते हैं। इसलिए उनको उनको बदायूं से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

## बदायूं से मुश्किल हो सकती थी धर्मेंद्र की राह

बदायूं में प्रत्याशी बदलाव की एक वजह ये भी हो सकती है कि धर्मेंद्र यादव को पार्टी किसी मजबूत सीट पर भेजना चाहती हो। ताकि वहां से उनकी जीत सुनिश्चित की जा सके। क्योंकि 2019 के चुनाव परिणाम व मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए बदायूं में धर्मेंद्र यादव के लिए राह मुश्किल हो सकती थी। इसलिए उन्हें यहां से हटा दिया गया। 2019 में बीजेपी ने स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा को बदायूं से उम्मीदवार बनाया था। संघमित्रा को 5 लाख 11 हजार से अधिक वोट मिले और 4 लाख 92 हजार के करीब वोट पाने वाले सपा के धर्मेंद्र यादव करीब 19 हजार वोट के अंतर से चुनाव हार गए। धर्मेंद्र और संघमित्रा की चुनावी फाइट को त्रिकोणीय बनाने में

कांग्रेस ने भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। कांग्रेस के सलीम इकबाल शेरवानी तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 51 हजार वोट मिले थे। संघमित्रा और धर्मेंद्र को मिले वोट के मुकाबले महज 10 फीसदी नजर आने वाले यह वोट सपा की हार के अंतर के मुकाबले दोगुने से भी अधिक थे।

### आजमगढ़ या कन्नौज जा सकते हैं धर्मेंद्र यादव

दूसरी और चर्चा इस बात की हो रही है कि अब धर्मेंद्र यादव को सुरक्षित मानी जाने वाली सीट कन्नौज या आजमगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया जा सकता है। सियासी जानकार भी मानते हैं कि कन्नौज और आजमगढ़ सीट सपा के लिए मजबूत गढ़ रही है। 1999 से लेकर 2019 तक इस सीट पर मुलायम सिंह अखिलेश यादव और डिंपल यादव सांसद रह चुके हैं। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने यह सीट समाजवादी पार्टी से छीन ली थी। आजमगढ़ सीट पर भी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सांसद रह चुके हैं। हालांकि, उपचुनाव में अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र यादव यहां से भारतीय जनता पार्टी से चुनाव हार गए थे। बावजूद इसके सियासी गलियारों में कहा यही जा रहा है कि कन्नौज और आजमगढ़ समाजवादी पार्टी के लिए पुराने गढ़ और मजबूत सीट है। इसलिए यहां पर धर्मेंद्र यादव या कोई और यादव परिवार से मजबूत प्रत्याशी उतारा जा सकता है।

## सलीम शेरवानी के जाने से बिगड़ गया खेल!

शिवपाल को बदायूं से उतारने के पीछे की एक वजह ये भी बताई जा रही है कि समाजवादी पार्टी एक बार फिर अपना खोया गढ़ वापस लाने की जुगत में लगी है। इसलिए अखिलेश ने सबसे मजबूत चेहरों में से एक को आगे किया है। अंदरूनी चर्चाओं में कहा यह तक जाने लगा कि वैसे तो बदायूं समाजवादी पार्टी के लिए सुरक्षित सीट मानी जाती रही है। लेकिन हाल में हुए कुछ बड़े घटनाक्रमों के बाद यह सीट अब असुरक्षित मानी जाने लगी है। ऐसे में शिवपाल यादव को यहां से टिकट देने का क्या मतलब निकाला जाए। दरअसल, बदायूं से समाजवादी पार्टी के चार बार के सांसद सलीम इकबाल शेरवानी के पार्टी छोड़ने के बाद सीट बदलने जैसा फैसला लिया गया है। 1996 से लेकर 2009 तक समाजवादी पार्टी के नेता सलीम इकबाल शेरवानी बदायूं से लगातार सांसद रहे हैं। 2009 में मुलायम सिंह यादव के भतीजे धर्मेंद्र यादव बदायूं से चुनाव लड़े और सांसद बने। 2014 में भी धर्मेंद्र यादव इसी लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। लेकिन 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने यह सीट समाजवादी पार्टी के हाथ से छीन ली। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चार बार के सांसद और समाजवादी पार्टी के बड़े मुस्लिम नेता सलीम इकबाल शेरवानी के पार्टी छोड़ने से समाजवादी पार्टी की पूरी सियासी चौसर बिगड़ गई। यही वजह रही कि यूपी में पिछले कुछ दिनों में जिस तरह से सियासी समीकरण बदले हैं, उसने सपा को अलर्ट मोड में ला दिया है। पश्चिमी यूपी में पहले जयंत चौधरी ने झटका दिया तो फिर स्वामी प्रसाद मौर्य भी बाय-बाय बोल गए।

## स्वामी का जाना भी बड़ा फैक्टर

एक पहलू यह भी है कि स्वामी प्रसाद मौर्य का सपा में रहना बदायूं की सीटिंग सांसद संघमित्रा को असहज करता रहा। स्वामी अपनी बेटी के खिलाफ प्रचार करने नहीं जाते तब भी पार्टी इसे आधार बनाकर संघमित्रा को प्रचार के दौरान जनता के बीच घेरती। उनके साथ होने से बसपा का बेस वोटर रहे दलित और मौर्य बिरादरी से कुछ वोट की उम्मीद भी पार्टी को थी। लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। बदले हालात में सपा ने बदायूं में साइकिल दौड़ाने की जिम्मेदारी पार्टी के सबसे बड़े चेहरों में से एक शिवपाल यादव को सौंप दी है। शिवपाल यादव सपा को खड़ा करने वाले नेताओं में से माने जाते हैं। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच शिवपाल मजबूत पकड़ रखते हैं। हर जाति-वर्ग में उनका अपना आधार है। संगठन के मजबूत शिल्पी माने जाने वाले शिवपाल बदायूं में बीजेपी का चुनावी चक्रव्यूह भेदने में सफल रहते हैं या असफल, यह चुनाव नतीजे ही बताएंगे

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# हुजूर आते-आते बहुत देर कर दी...

*हर बीतते दिन के साथ लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है। यही वजह है कि अब राजनीतिक दल भी अपनी-अपनी रणनीतियों पर काम करने में देरी नहीं दिखा रहे हैं। ऐसा लगता है कि शायद अब विपक्ष को भी ये समझ में आ गया है कि लोकसभा चुनावों में ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है और अगर अब नहीं चेते तो बहुत देर हो जाएगी। इसीलिए अभी तक बिखरा नजर आ रहा विपक्ष अब एक बार फिर एकजुट होता दिख रहा है। हालांकि, इस एकजुटता के तार कितने मजबूत हैं ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा। लेकिन फिलहाल तो ऐसा लग रहा है कि बातें धीरे-धीरे साफ हो रही हैं। दरअसल, अभी तक जो खबरें आ रही थीं कि यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच बात नहीं बन पा रही है और अब दोनों के बीच कोई गठबंधन नहीं होगा। एक दिन में ही ये बात गलत साबित निकली और सपा-कांग्रेस के बीच आपसी सहमति बन गई। जिसकी जानकारी भी खुद सपा प्रमुख ने ही दी। इस आपसी सहमति में कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं। जिनमें वाराणसी, प्रयागराज, सीतापुर और बाराबंकी जैसी सीटें शामिल हैं।*

*तो वहीं अब तो ये भी तय हो गया है कि यूपी के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी सपा-कांग्रेस का गठबंधन रहेगा। जानकारी के मुताबिक, यहां कांग्रेस ने सपा को एक सीट दी है। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के अन्य दल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच भी दिल्ली में बात बनती दिख रही है। सीएम केजरीवाल ने खुद कहा है कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन अंतिम दौर में है। जल्द ही औपचारिक ऐलान हो जाएगा। हालांकि, पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच अभी तक दूरी बनी हुई है। इसके अलावा बिहार में भी आरजेडी-कांग्रेस एक हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में अभी इंडिया गठबंधन गठता नहीं दिख रहा है। ऐसे में सवाल ये ही उठता है कि कुछ जगह गठबंधन, कुछ जगह अलग-अलग चुनाव लड़ने का ये फैसला विपक्ष के लिए कितना कारगर होगा? क्या इससे कोई लाभ मिलेगा या फिर इसका फायदा उल्टा भाजपा ही उठाएगी। क्योंकि ऐसे गठबंधन से जनता भी कन्फ्यूज रहेगी। वो जान ही नहीं पाएगी कहां इन दलों का गठबंधन है और कहां विरोध। वहीं दूसरी ओर एक सवाल ये ही उठता है कि अब यूपी में जो सपा-कांग्रेस साथ आए हैं या दिल्ली में आप और कांग्रेस आपसी सहमति बनाते दिख रहे हैं। क्या इसमें देरी नहीं हो गई? क्योंकि अब लोकसभा चुनावों में वक्त नहीं बचा है और अभी तक सीट शेयरिंग तय नहीं हुई है। उल्टा दोनों दलों की ओर से बयानवाजी काफी आगे तक हो चुकी है। ऐसे में अब चुनावों के बिल्कुल मुंहाने पर गठबंधन तय होने से कोई लाभ होगा भी या नहीं? ये बड़ा सवाल है। क्या वाकई में हुजूर ने आते-आते बहुत देर कर दी?*

संजय

**दरअसल, अभी तक जो खबरें आ रही थीं कि यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच बात नहीं बन पा रही है और अब दोनों के बीच कोई गठबंधन नहीं होगा। एक दिन में ही ये बात गलत साबित निकली और सपा-कांग्रेस के बीच आपसी सहमति बन गई। जिसकी जानकारी भी खुद सपा प्रमुख ने ही दी। इस आपसी सहमति में कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं। जिनमें वाराणसी, प्रयागराज, सीतापुर और बाराबंकी जैसी सीटें शामिल हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# युवाओं में तनाव से उपजा हृदयाघात का बड़ा जोखिम

के.के. तलवार

पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम उम्र वालों में अचानक मौत या हृदयाघात के मामलों में उछाल देखने को मिला है, इनमें कुछ प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हैं। इन प्रसंगों से संभावित कारणों और रोकथाम उपायों को लेकर विमर्श शुरू हुआ। एक नजरिया कहता है कि विश्वभर में इस किस्म के मामले संभवत: कोविड-19 महामारी के बाद अधिक घटित हो रहे हैं। भारत में कुल हृदयाघात में लगभग 20 फीसदी मामले 40 साल से कम उम्र वालों के हैं जबकि पश्चिमी जगत में यह वर्ग 5 प्रतिशत है। अचानक मृत्यु का सबसे आम कारण है माइयोकार्डियल इन्फ्रक्शन/हार्ट अटैक। युवाओं में हृदयाघात के लिए धूम्रपान सबसे अधिक जोखिम पैदा करने वाला माना जाता है। खतरे के अन्य अवयवों में अत्यधिक शराब सेवन, मधुमेह-रक्तचाप-कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर, नशाखोरी और जंक फूड का ज्यादा उपयोग और महिलाओं के मामले में गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन है।

ऐसी चिंताए भी जताई गई हैं कि क्या इस उछाल के पीछे कोविड संक्रमण या इसकी वैक्सीन भी एक कारक है। कोविड वैक्सीन को दोषी ठहराने का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। हां, कुछ प्रकाशित डाटा ने एमआरएनए वैक्सीन से जुड़ी माइयोकार्डिटीज कार्डियोवैस्कुलर कॉम्प्लिकेशंस की ओर इशारा जरूर किया है। लेकिन यह वैक्सीन भारत में इस्तेमाल नहीं हुई। हाल ही में, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन बताता है कि जिन लोगों को कोविड संबंधी लक्षण बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बनी थी, उनमें अचानक मृत्यु या हृदयाघात का जोखिम अधिक रहा। मुख्य अवयवों में तनाव का हिस्सा बहुत बड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स का एक लेख बताता है कि दिल का सबसे बुरा दुश्मन तनाव है। इस बात की संभावना है कि कोविड महामारी के बाद उत्पन्न स्थिति जैसे कि नौकरी चले जाना और वित्तीय मुश्किलों से बना मनोवैज्ञानिक तनाव एक वजह है।

देखा गया है कि जिन लोगों में अपनी नौकरी चले जाने का भय है, उनमें दिल का दौरा पड़ने की संभावना लगभग 20 फीसदी बढ़ जाती है। कई मर्तबा, तनाव व्यक्ति को अस्वास्थ्यकर आदतों में धकेल देता है जैसे कि धूम्रपान और जंक फूड सेवन और नींद उड़ जाना। अत्यधिक व्यस्तता भरी

कार्यशैली, टारगेट पूरा करने के दबाव या नौकरी असुरक्षित होना तनाव पैदा करता है। यह तथ्य वैज्ञानिक तौर पर सिद्ध है कि तनाव दिल की सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। तनाव से न्यूरोएंडोक्राइन की सक्रियता बढ़ जाती है, जिससे कैटकोलमिंस और कॉर्टिसोल के उत्पादन में बढ़ोतरी हो जाती है। इसके अलावा प्लाज्मा प्रोइंफ्लेमैट्री/ साइटोकाइन्स/ प्रोथ्रोम्बोटिक्स और इम्यून सिस्टम एक्टिवेशन में इजाफा हो जाता है। इन सबके प्रभाव से हृदय की धड़कन और रक्तचाप में बदलाव होता है और माइयोकार्डियल ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ जाती है। इंफ्लेमैट्री प्रोसेस कोरोनरी धमनियों में एथेरोस्कलेरोटिक प्लाक की टूटन शुरू कर सकता है, परिणामवश दिल का सख्त दौरा पड़ सकता है। मानसिक तनावों के नतीजे में कोरोनरी आर्टरी स्पाज़्म और वैसोकॉन्सट्रिक्शन पैदा हो सकते हैं और इससे पहले से व्याधिग्रस्त धमनियों में रक्त प्रवाह में फर्क पड़ जाता है। अमिग्डला, दिमाग का वह हिस्सा जो तनाव उत्पन्न करने में भूमिका रखता है, परेशानी की हालत बनने पर उसकी सक्रियता बढ़ जाती है। संभवत: यह न्यूरोएंडोक्राइन सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे ऐसे रसायन बनते हैं कि व्यक्ति या तो तनाव का सामना करेगा या फिर मैदान छोड़कर भागने वाली सोच अपना लेगा, करवट किस ओर होगी, यह तनाव की किस्म और किसी की व्यक्तिगत सहनशीलता के स्तर पर निर्भर है। उम्र बढ़ने के साथ जिंदगी में कुछ बढ़िया कर दिखाने या उपलब्धि की प्रक्रिया में तनाव एक हिस्सा है। कुछ मात्रा में इसका होना सकारात्मक भूमिका निभाता है क्योंकि यह व्यक्ति को और अधिक मेहनत करने को प्रेरित करता है जैसे कि इम्तिहानों में अच्छा कर दिखा लेना या पेशे में उन्नति अथवा प्राप्ति।

लेकिन नौकरी चले जाना या वैवाहिक संबंध टूटने जैसे प्रसंग इंसान के मानसिक स्थायित्व को प्रभावित करते हैं और मजबूत पारिवारिक अथवा सामाजिक साथ की अनुपस्थिति में इस किस्म के हालातों का सामना करने की मानसिक दृढ़ता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए जहां मेडिकल परामर्श में धूम्रपान से दूर रहना, स्वास्थ्यप्रद भोजन और नियमित व्यायाम करने जैसे रोकथाम उपायों की सलाह दी जाए, वहीं तनाव के स्तर और इससे निपटने के बारे में बात करना अहम है। यह भी तथ्य है कि तनाव से निपटना आसान नहीं होता। कोई एक उपाय जो सबके लिए कारगर हो, ऐसा कुछ नहीं है।

# मातृभाषाओं से दोयम दर्जे के सुलूक का सवाल

विवेक शुक्ला

सारी दुनिया जब विश्व मातृभाषा दिवस मना रही थी तब पाकिस्तान में बहुत सारे प्रबुद्ध नागरिक इस बात को लेकर अफसोस मना रहे होंगे कि उनके देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की गलत भाषा नीति के कारण उनका देश बंटा और अब वहां के सबसे बड़े पंजाब सूबे की जुबान पंजाबी को खत्म किया जा रहा है। पाकिस्तान में बीती 8 फरवरी को आम चुनाव हुए। जाहिर है, उससे पहले चुनाव प्रचार हुआ। अगर बात सिर्फ पंजाब की करें तो वहां चुनाव प्रचार की भाषा पंजाबी न होकर उर्दू थी। पाकिस्तान मुस्लिम लीग, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी, इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी और अन्य दलों के उम्मीदवार उर्दू में अपने भाषण दे रहे थे। इसके विपरीत हमारे हिस्से वाले पंजाब में चुनाव प्रचार सिर्फ पंजाबी में ही होता है। अब संभवत: अप्रैल में जब लोकसभा की 13 सीटों के लिए प्रचार होगा तो लगभग सभी नेता पंजाबी में ही मतदाताओं को रिझाएंगे।

फिलहाल जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अपने संसदीय क्षेत्र मियांवाली में चुनावी सभाओं में उर्दू में ही बोलते थे। वे अपनी मातृभाषा पंजाबी में नहीं बोलते थे। ये क्यों होने लगा कि सरहद के उस पार धरती की जुबान को दोयम दर्जे की जुबान मान लिया गया? लाहौर में पंजाबी प्रचार के अध्यक्ष डॉ. तारिक अहमद इस स्थिति के लिए उन लोगों को जिम्मेदार मानते हैं जो देश के बंटवारे के समय मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश या दिल्ली से पाकिस्तान गए थे। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की सलाह पर मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान की राष्ट्र भाषा उर्दू घोषित कर दी। उसके चलते बांग्लाभाषी पूर्वी पाकिस्तान आगे चलकर बांग्लादेश बना और पंजाब में पंजाबी अछूत हो गई। बांग्लाभाषियों ने अपनी बांग्ला के लिए 21 फरवरी, 1951 को ढाका में पाकिस्तानी रेंजर्स की गोलियों को खाया था। उन्हीं शहीदों की याद में हर साल 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

यकीन मानिए कि पाकिस्तान के हिस्से वाली पंजाब विधानसभा में पंजाबी के लिए कोई जगह नहीं है। वहां पर बहस उर्दू या इंग्लिश में होती है। पंजाबी में बहस करना या सवाल करना निषेध है। मतलब जिस भाषा को वहां पर लोग बोलते-समझते हैं, उसमें असेंबली में बोलने की मनाही है। अपने घर में इमरान खान की पार्टी से संबंध रखने वाले पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रहे उस्मान बुझदर पंजाबी में बोलते हैं। वे पंजाबी लोकगीत सुनना भी पसंद करते हैं। लेकिन, वे पंजाब असेंबली में उर्दू से इतर किसी भाषा में नहीं बोलते। आपको उनका यूट्यूब पर इंटरव्यू भी मिलेगा जिसमें वे पंजाबी में सवालों के जवाब दे रहे हैं। क्या हमारे पंजाब में कोई मुख्यमंत्री पंजाबी से दूरी बनाकर सियासत कर सकता है? असंभव!

लाहौर में रहने वाले पंजाबी के कथाकार रेहान चौधरी पूछते हैं, 'हमारे स्कूल-कॉलेजों में पंजाबी की पढ़ाई की कोई व्यवस्था नहीं। हमारे इधर अब पंजाबी को पढ़ाना तो दूर, इससे पंजाबी समाज का एक तबका पल्ला झाड़ रहा है। यह सब कुछ हो रहा है सरकार की उर्दू परस्त नीति के कारण।' पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान बनने के बाद पहले 19 मार्च, 1948 को ढाका पहुंचे। उनका वहां गर्मजोशी से स्वागत हुआ। जिन्ना ने 21 मार्च, 1948 को ढाका के खचाखच भरे रेसकोर्स मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए घोषणा कर दी कि पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू ही रहेगी। उन्होंने अपने चिर-परिचित आदेशात्मक स्वर में कहा -'सिर्फ उर्दू ही पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा रहेगी। जो इससे अलग तरीके से सोचते हैं वे मुसलमानों के लिए बने मुल्क के शत्रु हैं।' जिन्ना के फरमान को पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) ने सिरे से खारिज कर दिया। पर पंजाब ने जिन्ना के वन नेशन-वन लैंग्वेज फार्मूला को आंखें बंद कर स्वीकार कर लिया। नतीजा, पंजाब से पंजाबी दूर होने लगी। उर्दू पाकिस्तान के किसी भी प्रांत की भाषा नहीं थी। उर्दू का आज के पाकिस्तान से कोई संबंध नहीं रहा। पाकिस्तान के पंजाब में पंजाबियों का एक प्रबुद्ध वर्ग अपनी पहचान बचाने के लिए लड़ रहा है। वहां पिछली 2017 की जनगणना के समय पंजाब प्रांत के लोग अपनी मातृभाषा उर्दू लिखवा रहे थे। ये घर में बोलते हैं पंजाबी और लिखवा रहे थे उर्दू। देश विभाजन से पहले हिन्दू भी पंजाबी की तुलना में उर्दू और हिन्दी ही सीखते-पढ़ते थे। इस लिहाज से सिख पंजाबी के साथ खड़े रहे। यह बात दीगर है कि देश की आजादी के पश्चात भारत में भाषाई विवाद कमोबेश सुलझ गए। पाकिस्तान में यह नहीं हुआ। वहां अपने को सच्चा पाकिस्तानी बताने के क्रम में बहुत से पंजाबी अपनी मातृभाषा को छोड़ रहे हैं। क्या वे अपनी मां बोली को बदल सकते हैं?

पाकिस्तान में पंजाबी, सिंधी, बलूची, पश्तो और दूसरी धरती की भाषाओं और बोलियों की सरकारी स्तर पर अनदेखी होती रही है। पाकिस्तान में 7-8 फीसद मुहाजिरों की भाषा उर्दू को एक तरह से इस्लाम की भाषा से जोड़ दिया गया। पाकिस्तान में कट्टरपंथी सोच को खाद-पानी देने वाले इस्लाम को उर्दू के साथ जोड़कर बताने लगे। क्या किसी धर्म का सिर्फ किसी एक ही भाषा से संबंध हो सकता है? बेशक, पंजाबी बनाम उर्दू का अगर कोई सौहार्दपूर्ण तरीके से हल नहीं खोजा गया तो पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे में भी भाषाई विवाद पनप सकता है।

# बढ़ती उम्र में दर्द से राहत के लिए करें ये योगासन

**उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। जैसे जोड़ों का दर्द, कमर दर्द होना आम बात है।**

उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। बढ़ती उम्र में जोड़ों का दर्द, कमर दर्द होना आम बात होती है। उठने-बैठने में भी समस्या होना शुरू आ जाती है। समय रहते इसका उपचार न करने पर धीरे- धीरे ये समस्याएं इतनी बढ़ने लगती हैं कि चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में असुविधा होने लगती है। दर्द से राहत पाने के लिए लोग दर्द निवारक दवाइयां लेने लगते हैं। इन दवाइयों से कुछ समय के लिए शरीर को आराम तो मिल जाता है, बाद में फिर परेशानियां होने लगती है। वहीं लगातार दर्द निवारक दवा का इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक भी होता है। बढ़ती उम्र में जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और अन्य शारीरिक परेशानियों से निजात पाने के लिए प्राकृतिक उपचार के तौर पर योगासन का नियमित अभ्यास करें।

## शवासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को आराम से फैला लें। हाथों को शरीर से 5 से 6 इंच की दूरी पर रखते हुए इसी अवस्था में गर्दन आराम दायक मुद्रा में सीधी रखे रहें। अब आंखों को बंद करके कुछ देर इसी अवस्था में रहें। शवासन आराम और विश्राम को बढ़ावा देने का काम करता है। लेकिन जब आप इसका अभ्यास करते हैं तो आप ये कोशिश करें की आप सिर्फ आंखे बंद करके अपनी मुद्रा में लेटे रहें।

## सेतुबंधासन

सेतुबंधासन का अभ्यास करने के लिए पीठ के बल आराम से लेट कर अपनी हथेलियों को शरीर के पास जमीन से सटाकर रखें। अब घुटने मोड़ कर धीरे धीरे सांस लेते हुए शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। इस स्थिति में रहते हुए सांस लें और छोड़ें। कुछ देर बाद पुरानी स्थिति में आ जाएं। ये आसन रीढ़ की सभी कोशिकाओं को अपने सही स्थान पर स्थापित करने में सहायक है। आसन कमर दर्द को दूर करने में भी सहायक है. पेट के सभी अंग जैसे लीवर, पेनक्रियाज और आंतों में खिंचाव आता है। कब्ज की समस्या दूर होती है और भूख भी समय पर तथा खुलकर लगती है।

## वीरभद्रासन

इस योग को करने के लिए सबसे पहले सीधी मुद्रा में खड़े होकर अपनी बाहों को फर्श के समानांतर उठाते हुए सिर को बाईं ओर मोड़ें। अब बाएं पैर को 90 डिग्री बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें। अब इसी तरह दूसरी तरफ से अभ्यास करें। रोजाना वीरभद्रासन करने से पीठ दर्द से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए अगर आपको पीठ या कमर में दर्द रहता है, तो इस आसन की रेगुलर प्रैक्टिस करें। यह पीठ और कमर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है। इससे मसल्स मजबूत बनती हैं और दर्द में आराम मिलता है। इसे करने से आपके हिप्स साइज में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस आसन को करने से हिप्स को बढ़ा करने में मदद मिल सकती है। वीरभद्रासन करने से जांघों और नितंबों की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं।

## धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास करने के लिए पेट के बल लेट कर दोनों पैरों को मोड़कर ऊपर की ओर ले जाएं। दोनों हाथों से पैरों के पंजों को पकड़कर सांस लेते हुए पैरों को ऊपर की ओर खींचें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस आसन को करने से हटी हुई नाभि अपने आप ही सामान्य स्थिति में आ जाती है। यह आसन कमर व गर्दन के दर्द के लिए भी लाभकारी है। यह आसन गर्दन, छाती व फेफड़ों को शक्तिशाली व क्रियाशील बनाता है। यह कंधे को पुष्ट व छाती को चौड़ा व मजबूत बनाता है। यह आसन पेट की अधिक चर्बी को कम करता है।

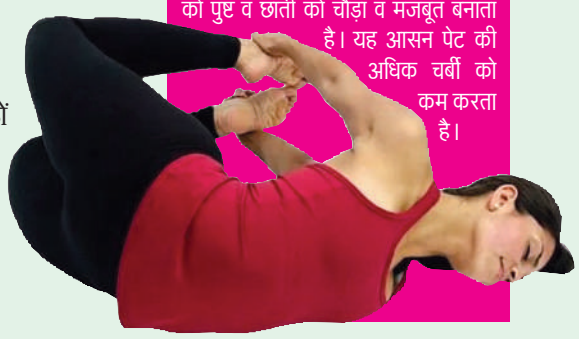

## हंसना मना है

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा: मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति: ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए): मना रहें हो मुझे.. पति: नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

इंग्लिश ग्रामर की टीचर: आज हम नाउन पढ़ेंगे, टीचर: लड़की सबसे हंस के बात करती है, इसमें लड़की क्या है? पप्पू- मैडम जी वो लड़की बिगड़ी हुई है, किसी लड़के के चक्कर में पड़ी है।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू: पापा बुलेट दिला दो, बाप: पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है.. पप्पू: यही तो देखा नहीं जाता!

मेरे एक पड़ोशी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि, 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊ की भक्ति में तो मन लगाता हुं, पर भगवान नहीं मान रहे।

## कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह खाने की तलाश में इधर-उधर भटकने लगी। काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। बाग बहुत ही सुन्दर और हरा-भरा था। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। उसे एहसास हो चला कि अब उसकी खाने की तलाश जल्द ही खत्म होने वाली है। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। जैसे-जैसे वह कदम आगे बढ़ाती, बाग से आने वाली महक और भी तेज होती जाती। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो खास होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूर देखकर उसकी आंखें चमक उठीं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। वह इतनी उतावली हो चली कि मानो एक ही बार में बाग के सारे अंगूर खा जाएगी। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

**वृषभ**

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

**मिथुन**

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

**कर्क**

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

**सिंह**

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

**कन्या**

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

**तुला**

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

**वृश्चिक**

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

**धनु**

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

**मकर**

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

**कुम्भ**

मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है।

**मीन**

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

## आलोचनाओं से नहीं पड़ता फर्क : विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्रैक- जीतेगा तो जिएगा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के पोस्टर, गाने और ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिए हैं, जिन्हें देखकर दर्शकों का फिल्म देखने का उत्साह आसमान पर पहुंच गया है। विद्युत इस फिल्म में अभिनय के साथ-साथ इसका निर्माण भी कर रहे हैं। वहीं, अब अभिनेता ने अपनी बिना कपड़ों वाली तस्वीरों पर खुलकर बात की। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि आलोचनाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। विद्युत ने अपनी बिना कपड़ों वाली तस्वीर पर बात करते हुए कहा, मुझे खुद के साथ समय बिताना पसंद है। मैं अक्सर अपना काम खुद करना पसंद करता हूं। मुझे मुझसे बोर होना पसंद है, मुझे ऐसी किताब पढ़ना पसंद है, जो मुझे उत्साहित नहीं करती है। आप जिस तस्वीर के बारे में बात कर रहे हैं वह मेरी 14 यात्राओं में से एक की है, जिसे मैंने सोचा कि क्यों न इसे पोस्ट किया जाए? मुझे यह तस्वीर बहुत अच्छी लगी, इसलिए मैंने इसे सोशल पोस्ट कर दिया। हर किसी को अपने साथ समय बिताना चाहिए, भले ही वे ऐसे ही क्यों न हो। जब विद्युत से पूछा गया कि क्या उनकी बिना कपड़ों की तस्वीरों को लेकर हो रही आलोचनाओं से उन्हें परेशानी होती है? उन्होंने कहा, ये छोटी-छोटी बातें आपको काटने वाले मच्छर की तरह हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आलोचना से उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है, क्योंकि यह उनके बारे में सिर्फ किसी दूसरे व्यक्ति की राय है। विद्युत की फिल्म की बात करें, तो क्रैक में उनके साथ नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनय के अलावा विद्युत जामवाल ने अब्बास सैय्यद के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण भी किया है। क्रैक-जीतेगा तो जिएगा एक स्पोर्ट्स फिल्म है, जो आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित है। यह दो भाइयों पर आधारित फिल्म है। क्रैक 23 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# फायदे के लिए नेता महिलाओं को कर रहे अपमानित : सोना महापात्रा

राहुल गांधी ने हाल ही में जो ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर कमेंट किया, उसको लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। अब सिंगर सोना महापात्रा का भी इस पर रिएक्शन आया है। सोना ने ना सिर्फ ऐश्वर्या का सपोर्ट में राहुल गांधी द्वारा किए गए कॉमेंट पर कहा है कि सेक्सिस्ट लैंडस्केप में कुछ फायदा पाने के लिए नेता अपने भाषणों में महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं? डियर, राहुल गांधी निश्चित रूप से किसी ने पहले आपकी मां (सोनिया गांधी), बहन (प्रियंका गांधी) को इसी तरह अपमानित किया होगा। ऐसे में आपको बेहतर पता होना चाहिए। इसके अलावा, ऐश्वर्या बहुत अच्छा डांस करती हैं। एक अन्य पोस्ट में सोना ने एक यूजर की क्लास लगाई, जिसमें यूजर ने कहा था कि लिखा, तवायफ की तरह डांस करना खूबसूरत है? भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ओडिसी डांस करने की कोशिश नहीं की। उमराव जान तथाकथित डांस के बारे में बहुत कुछ बोलती हैं। यहां तक कि विद्या ने भी ओडिसी को एक दरबारी डांस के रूप में दिखाने का साहस नहीं किया। उन्होंने केवल एक ओडिसी डांसर की भूमिका निभाई। इस पर सोना ने जवाब दिया कि एक तवायफ की तरह डांस वास्तव में प्रशंसा है अनपढ़। आम्रपाली, बरनी, पुरसती से लेकर उमराव जान तक, भारतीय इतिहास की तवायफें खजाना थीं और अपनी कला, कलात्मकता के लिए पूजनीय थीं। दरअसल, राहुल ने हाल ही में कहा था कि क्या आपने राम मंदिर प्रतिष्ठा देखा? क्या आपने वहां देश के पिछड़े और गरीब लोगों को देखा। उस समारोह में अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या और पीएम मोदी शामिल हुए थे, लेकिन जो असल में देश को चला रहे हैं वे लोग वहां नहीं थे। ये लोग यही दर्शाते हैं कि आप लोग इस देश को नहीं चला सकते। राहुल ने यह भी कहा था कि वहीं दूसरी रैली में ऐश्वर्या डांस करते हुए दिखेंगी और अमिताभ बच्चन बल्ले-बल्ले।

**राहुल के ऐश्वर्या पर किये गये कमेंट पर भड़कीं सिंगर**

# अब सिर्फ देशहित में काम करना है : कमल

एक्टर कमल हासन एक दिग्गज अभिनेता होने के साथ-साथ एक नामी रातनीतिज्ञ भी हैं। कुछ साल पहले सक्रिय राजनीति में आए कमल की आधिकारिक राजनीतिक पार्टी है एमएनएम यानी मक्कल निधि मय्यम। हाल ही में कमल ने अपनी पार्टी के दूसरी राजनीतिक पार्टियों से गठबंधन पर बात करते हुए कहा कि दूसरी पार्टियों से चर्चा चल रही है, बशर्ते वह पार्टी अपने हित की बजाय देश हित में सोचे। मौका था एमएनएम की 7वीं सालगिरह के जश्न का। कमल ने इस मौके पर कहा,'दूसरी राजनीतिक पार्टियों से गठबंधन पर चर्चा चल रही है, लेकिन हम उन्हीं का साथ राजनीति में पसंद करेंगे जो अपने हित के बारे में न सोचते हुए हमारे देश की भलाई के बारे में सोचें। वे निस्वार्थ देश का हित चाहें, न कि किसी सामंती व्यवस्था का हिस्सा बनें।' कमल ने टॉप तमिल एक्टर विजय के राजनीति में आने के कदम का भी स्वागत किया। जब यह पूछा गया कि क्या वह कई पार्टियों के विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनना चाहेंगे, तो वह बोले, 'मैंने पहले भी कहा है कि अब वह समय आ गया है कि आपको पार्टी पॉलिटिक्स से उठकर राष्ट्रहित के बारे में सोचना होगा। जो भी अपना फायदा सोचे बिना देश के हित का सोचेगा, मेरी पार्टी एमएनएम उसी के साथ हाथ मिलाएगी।' तो क्या कमल इंडिया अलायंस से जुड़ गए हैं? इसके जवाब में उन्होंने साफ इंकार कर दिया। हालांकि, उनकी पार्टी के दूसरी राजनीतिक पार्टियों के साथ गठबंधन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। हासन बोले कि अभी बातचीज जारी है। जब भी इस बारे में कोई निर्णय लिया जाएगा तो आपको यह शुभ समाचार जल्दी और जरूर दिया जाएगा। दरअसल, पिछले दिनों चर्चा थी कि कमल आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की पार्टी से हाथ मिला सकते हैं। गौरतलब है कि कमल की पार्टी एमएनएम ने इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव देखे, तो 2021 में हुए विधानसभा चुनावों में भी हिस्सा लिया लेकिन उनकी पार्टी चुनावी मैदान में कुछ खास नहीं कर पाई।

**अभिनेता ने इंडिया गठबंधन जॉइन करने से किया इंकार**

अजब-गजब | कुंवारों के इस गांव में नहीं आती कोई महिला

# शादी की उम्मीद में बूढ़े हो रहे लोग

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जो अपनी अजीबोगरीब खूबी की वजह से मशहूर हो जाती हैं। कहीं का खाना मशहूर होता है, भारत में एक गांव हैं, जहां सिर्फ जुड़वा बच्चे पैदा होते हैं। इसी तरह से बिहार का एक गांव भी मशहूर है। लेकिन उसकी वजह मजेदार है। दरअसल, इस गांव को कुंवारों का गांव कहा जाता है। ऐसा नहीं है कि इस गांव में मर्दों को शादी करने का मन नहीं है। इनकी शादी ना होने की ख़ास वजह है। हम बात कर रहे हैं बिहार की राजधानी पटना से करीब तीन सौ किलोमीटर दूर स्थित बरवां कलां नाम के गांव की। इस गांव को कुंवारों का गांव भी कहा जाता है। इस नाम की ख़ास वजह है। दरअसल, इस गांव में पिछले पचास साल में शादियां नहीं हुई है। किसी तरह से 2017 में यहां एक बार शहनाई बजी। लेकिन उसके बाद ये सिलसिला फिर से थम गया। आखिर ऐसी क्या वजह है कि इस जगह पर रहने वाले मर्दों को बिना शादी के ही जिंदगी गुजरानी पड़ रही है? अगर आपको ऐसा लग रहा है कि ये जगह श्रापित है तो आप गलत हैं। ऐसा नहीं है कि इस जगह पर रहने वाले मर्दों पर किसी ने जादू-टोना किया है। दरअसल, इस गांव

के लोगों की शादी ना होने की वजह है प्रशासनिक लापरवाही। ये गांव आज भी मूलभूत जरूरतों से अछूता है। इस गांव में बिजली नहीं है। पीने के पानी की सप्लाई नहीं है। यहां तक कि इस गांव में सड़क भी नहीं है। इस वजह से कोई भी परिवार अपनी बेटी को इस गांव में नहीं भेजता है। इस गांव में आपका मोबाइल भी बेकार हो जाएगा क्यूंकि यहां नेटवर्क नहीं आता। इस गांव के रहने वाले लोगों ने कई बार सरकारी अधिकारियों से मदद मांगी। लेकिन ऐसा लगता है जैसे उन्हें इनकी समस्या से कोई लेना-देना ही नहीं है। कुछ साल पहले गांव वालों ने ही मिलकर खुद से पहाड़ काटकर एक कच्ची सड़क बनाई, जिसकी मदद से गाड़ियां अब गांव तक आने लगी हैं। यहां के युवा गांव में रहना नहीं चाहते हैं। कई लोग अपनी शादी के लिए यज्ञ-हवन तक करवाते हैं। लेकिन सब फेल है। अब देखना है कि आखिर कबतक इस गांव में लोग कुंवारे ही अपनी जिंदगी काटने को मजबूर रहेंगे।

# कपल ने खरीदा 74 साल पुराना बंगला, दिया महल जैसा रूप

हर इंसान का सपना होता है कि वो अपना घर बनाए, जहां अपने परिवार के साथ एक खुशहाल जिंदगी बिताए। हालांकि, आज के समय में जब प्रॉपर्टी के रेट आसमान छूने लगे हैं, तो घर खरीदना भी काफी मुश्किल हो गया। पर इस मुश्किल को एक कपल ने पार किया और अपना खुद का घर खरीद लिया। उनका घर 74 साल पुराना, यानी 1950 के दौर का है। पर कपल ने घर को 2024 के हिसाब से ऐसा खूबसूरत लुक दिया है, जिसे देखकर लोगों के होश उड़ जाएंगे क्योंकि वो अंदर से बिल्कुल अलग लग रहा है। द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 29 साल की बेका लार्किन और उनके मंगेतर जॉर्डन सुटॉन ने इंग्लैंड के ससेक्स में अपना खुद का नया घर खरीदा है। ये घर 1950 का है। दोनों ने इसे 2021 में खरीदा और तब से ही इसके रेनोवेशन में लग गए। कपल ने खुद से ही घर का अधिकतर हिस्सा रेनोवेट किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर घर के डिजाइन के बारे में शेयर किया। जिसे देखकर हर कोई दंग है, क्योंकि उन्होंने अपने से उसे महल जैसा रूप दे दिया है। कपल ने अपने कुछ वीडियोज में बताया कि उन्होंने घर के स्टील बीम पर 3 लाख रुपये खर्च किए, जबकि एक्सटेंशन पर 10 लाख रुपये खर्च किए, जबकि कंक्रीट लगाने और मचान आदि बनाने में भी लाखों खर्च हो गए हैं। कुल

मिलाकर उन्होंने अपने घर पर 43 लाख रुपये खर्च किए हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने रेनोवेशन के वीडियोज को पोस्ट कर लोगों को बताया कि उनका ये सफर पूरा कैसा रहा। वीडियो के साथ बेका ने बताया कि नवंबर 2021 से उन्हें घर की चाबी मिली, उसके बाद से उनका नॉन-स्टॉप रेनोवेशन का काम चल रहा है। कपल ने बताया कि उन्हें और उनके पति को घरों के रेनोवेशन करना पसंद है। उनके पति एक बढ़ई, यानी कारपेंटर हैं। उनके वीडियोज पर कई लोग कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। एक ने कहा कि उन्होंने घर को बहुत अच्छा रूप दिया है। वहीं एक ने कहा कि उनका प्रोग्रेस कमाल का लग रहा है। एक ने कहा कि उनका ये प्रोजेक्ट दिखने में बेहद एक्साइटिंग लग रहा है। एक वीडियो में बेका ने बताया कि अभी और किन चीजों को रेनोवेट करना बाकी है, जिसमें किचन भी शामिल है।

# अब थक चुके हैं चाचा, उनसे नहीं चल रही सरकार : तेजस्वी

## » विधानसभा भंग कराकर चनाव कराना चाहते हैं

## राजद माय के साथ बाप की भी पार्टी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेतिया। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि चाचा को सिंहासन से बहुत प्यार है। उन्होंने कहा कि मैंने 2020 के विधानसभा चुनाव में आपसे वादा किया था कि यदि मेरी सरकार बनी तो सबसे पहले मैं सत्ता संभालते ही 10 लाख सरकारी नौकरियां अपनी कलम से दूंगा। दुर्भाग्यवश सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद हम सत्ता से दूर हो गए। इधर, चाचा ने मेरी मां से माफी मांगते हुए कहा कि आप मेरे साथ आ जाइए। भाजपा वाले मेरी पार्टी को तोड़ना चाहते हैं।

जब मै उपमुख्यंत्री बना तो मात्र 17 माह में 5 लाख नौकरियां दी। यदि एक साल और रहता तो पांच लाख और नौकरियां दे देता। जनविश्वास यात्रा के दौरान बेतिया पहुंचे राजद नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम नीतीश कुमार विधानसभा भंग कराकर लोकसभा के साथ चुनाव कराना चाहते हैं। नीतीश कुमार अब थक चुके हैं और काफी बूढ़े हो गए हैं। उनसे सरकार नहीं चल रही है। वह कब किधर और किस समय पलटी मार देंगे, यह कहना मुश्किल है।

**तेजस्वी ने एक बार फिर दोहराया कि कहा राजद केवल माय (MY) की ही पार्टी नहीं है, बल्कि बाप (बीएएपी) की भी पार्टी है। उन्होंने कहा कि मेरे ही कार्यकाल में किसानों के गन्ना के मूल्य में 20 रुपया प्रति क्विंटल के दर से रुपया बढ़ाया गया है, जिससे 2400 करोड़ रुपए का फायदा किसानों को हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला। कहा कि मोदी जी ने 10 वर्षों में पश्चिमी चंपारण में कोई कारखाना स्थापित नहीं किया है। और, न ही यहां के लोगों के लिए रोजगार का कोई अवसर पैदा किया है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि आप सब नया बिहार बनाने में राजद को मजबूत बनावें और हम विश्वास दिलाते हैं कि आपकी आकांक्षाओं पर निश्चित तौर पर हमलोग खरा उतरेंगे।**

# कर्नाटक सरकार के फैसले पर भड़की बीजेपी

## » अब मंदिरों को भी देना होगा टैक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ एक बार फिर भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। सिद्धारमैया सरकार ने बुधवार को 'कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक 2024' पारित कर दिया है। इस विधेयक के पारित होने के बाद भाजपा ने सिद्धारमैया सरकार को एंटी हिंदू बता दिया है।

दरअसल, कर्नाटक में 1 करोड़ रुपये से अधिक कमाई करने वाले मंदिरों से 10 फीसदी टैक्स वसूली करने का फैसला किया गया है। वहीं, जिन मंदिरों की इनकम 10 लाख से 1 करोड़ के बीच है, उन्हें पांच प्रतिशत टैक्स देना होगा।कर्नाटक सरकार के इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा कि सिद्धारमैया सरकार हिंदू विरोधी नीतियां अपनाकर अपना खाली खजाना भरना चाहती है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा, कांग्रेस सरकार राज्य में लगातार हिंदू विरोधी नीतियां अपना रही है। कांग्रेस ने अब हिंदू मंदिरों के राजस्व पर भी अपनी टेढ़ी नजर डाल दी है। येदियुरप्पा ने आगे कहा,कांग्रेस अपने खाली खजाने को भरने के लिए हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पारित किया है। इस धन का इस्तेमाल कांग्रेस दूसरे उद्देश्य के लिए करना चाहती है।

### राजनीतिक लाभ लेने के फिराक में भाजपा : रामलिंगा

भाजपा नेता के सवालों पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस को हिंदू विरोधी बताकर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया। रेड्डी ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस ने वर्षों से लगातार मंदिरों और हिंदू हितों की रक्षा की है।उन्होंने कहा, विजयेंद्र येदियुरप्पा, यह स्पष्ट है कि भाजपा हमेशा यह दावा करके राजनीतिक लाभ लेती है कि कांग्रेस हिंदू विरोधी है। हालांकि, हम, कांग्रेस, खुद को हिंदू धर्म का सच्चा समर्थक मानते हैं क्योंकि, वर्षों से कांग्रेस सरकारों ने लगातार मंदिरों और हिंदू के हितों की रक्षा की है।

# गोली चलाने से किसान आंदोलन कुचला नहीं जा सकता : डॉ. सुनीलम

## » किसानों की मांगे अध्यादेश लाकर तत्काल पूरा करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम ने खनौरी बॉर्डर (पंजाब-हरियाणा बॉर्डर) पर चल रहे शांतिपूर्ण किसान आंदोलन पर हरियाणा पुलिस द्वारा 21 वर्षीय युवा किसान शुभकरण सिंह के सिर पर गोली मारकर हत्या किए जाने को हरियाणा सरकार द्वारा केंद्र सरकार के संरक्षण में की गई कायराना कार्यवाही बतलाते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश से मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने, गोली चालन के दोषी पुलिस अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने, शहीद शुभकरण सिंह के परिवार को एक करोड़ रुपए की मुआवजा राशि देने की मांग की है।

डॉ. सुनीलम ने कहा है कि देश का किसान मुलतापी और मंदसौर के पुलिस गोलीचलनो से नहीं डरा तो खनौरी में हुए गोली चालन से डरने वाला नहीं है। डॉ सुनीलम ने आशा व्यक्त की है कि किसान आने वाले चुनाव में बुलेट का जवाब बैलेट से देगा। डॉ सुनीलम ने केंद्र सरकार से पुलिस दमन का रास्ता छोड़कर किसानों को एमएसपी पर खरीद की कानूनी गारंटी देने, किसानों की संपूर्ण कर्जा मुक्ति हेतु तत्काल अध्यादेश लाकर किसानो की मांगों को स्वीकार करने की अपील की है ।

डॉ. सुनीलम ने केंद्र सरकार से आंदोलनकारियों कर पुलिस गोलीचालन पर कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने शहीद शुभकरण सिंह के परिवारजनों के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है । डॉ. सुनीलम ने देश के किसान ,नागरिक एवं जनसंगठनों से शहीद किसान को सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने और किसान आंदोलन को तेज करने का संकल्प लेने की अपील की है।

# जितना चिल्लाना है, चिल्ला लो, नहीं मिलेगी नौकरी : राहुल

## » पेपर लीक के बहाने कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कानपुर में मोदी सरकार व बीजेपी पर जमक र हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश का सबसे क्रांतिकारी कदम जातिगत जनगणना है। इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। जातिगत जनगणना से हम यह पता लगाएंगे दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यकों के हाथ में कितना पैसा है। उन्होंने कहा कि देश में 90 फीसदी लोग इन चार वर्गों से आते हैं। ये अपने खून-पसीने की कमाई से देश का विकास कर रहे हैं। न इनकी मीडिया, उद्योग में भागीदारी है और न पुलिस में है और न्यायिक प्रक्रिया में है। इनसे जिंदगी भर न्याय नहीं मिलेगा।

जातीय जनगणना से 90 फीसदी का देश में राज हो जाएगा। अफसोस यह है कि देश में अडाणी और अंबानी जैसे लोगों के पास ही अधिकांश पैसा है। ये सभी नए हिन्दुस्तान के राजा बनकर राज कर रहे हैं। राहुल गांधी का पूरा संबोधन मोदी और भाजपा सरकार के इर्द-गिर्द रहा। हालांकि उन्होंने एक बार मोदी का नाम लेकर सीधे तौर कहा कि वह नहीं चाहते कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के लोगों को नौकरी मिले। उनका विकास हो और ये आगे बढ़ें। जोशीले नारे लगाकर राहुल ने कहा कि भाई, जितना चिल्लाना हो, चिल्ला लो नौकरी नहीं मिलेगी। यह सरकार सिर्फ नोटबंदी, जीएसटी लागू करती है। पेपर लीक, अग्निवीर योजना से सेना में जाने का सपना देखने वालों को वंचित कर दिया गया। सरकारी भर्तियां भी बंद कर दी गई।राहुल गांधी ने कहा कि राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान मोदी, शाह, अंबानी, अडानी जैसे बड़े लोग पहुंचे लेकिन भूखे, नंगे, दलित, पिछड़े, गरीबों किसी भी साधारण इंसान को नहीं बुलाया गया। आरोप लगाते हुए कहा कि दलित होने के कारण राष्ट्रपति को भी मंदिर में जाने नहीं दिया।

### न्याय यात्रा में मोहब्बत और लगाव देखने को मिल रहा

कानपुर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ के बीच राहुल गांधी ने कहा कि पिछले साल भारत जोड़ो न्याय यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली थी। उसमें एक संदेश नफरत के बाजार में मोहब्बत की सजी दुकान निकलकर आया था। अब इस न्याय यात्रा में वही मोहब्बत और लगाव देखने को मिल रहा है। इस बार भी मोहब्बत का पैगाम लेकर आप लोग आए। इसके लिए आपका आभार। इससे पहले राहुल गांधी बुधवार को भारत जोड़ो यात्रा लेकर उन्नाव पहुंचे। शहर से लेकर शुक्लागंज तक खुली जीप में चलकर लोगों का अभिवादन किया। कांग्रेसियों ने दर्जनों स्थानों पर उनका स्वागत किया।

# सुमित नागल की वर्ल्ड रैंकिंग फिसली

## टॉप 100 से खिसकर हुए बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुमित नागल 16 अंक गंवाने के कारण विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर हो गए हैं। नागल एटीपी की नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीन पायदान नीचे 101वें स्थान पर खिसक गए हैं। पिछले साल इसी सप्ताह नागल ने एक क्वालीफायर के रूप में चेन्नई चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण 41 अंक हासिल किए थे।

भारत के एकल खिलाड़ी सुमित नागल 16 अंक गंवाने के कारण विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर हो गए हैं। नागल एटीपी की नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीन पायदान नीचे 101वें स्थान पर खिसक गए हैं। पिछले साल इसी सप्ताह नागल ने एक क्वालीफायर के रूप में चेन्नई चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण 41 अंक हासिल किए थे। नागल को इन अंकों का बचाव करना था लेकिन वह पिछले सप्ताह बेंगलुरु ओपन में केवल 25 अंक ही हासिल कर पाए। नागल ने इस साल चेन्नई ओपन का खिताब जीतकर शीर्ष 100 में जगह बनाने वाले भारत के कुछ खिलाड़ियों में अपना नाम लिखाया था। नागल अभी पुणे चैलेंजर में खेल रहे हैं। एकल में भारत के दूसरे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन हैं जो 42 पायदान की लंबी चलांग लगाकर 420वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके बाद शशि कुमार मुकुंद (457), एसडी प्रज्ज्वल देव (595) और दिग्विजय प्रताप सिंह (623) का नंबर आता है। रोहन बोपन्ना युगल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। भारतीय खिलाड़ियों में उनके बाद युकी भांबरी (60), एन श्रीराम बालाजी (80), विजय सुंदर प्रशांत (81), साकेत मयनेनी (89) और अनिरुद्ध चंद्रशेखर (94) का नंबर आता है।

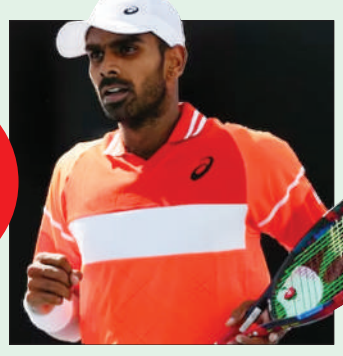

# साथी की मौत से पुलिस पर भड़के किसान

## » दिल्ली मार्च 2 दिन के लिए स्थगित, गुस्से में ट्रेड यूनियन, देंगे साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केन्द्र की गूंगी-बहरी सरकार तक अपनी बात पहुंचाने केलिए आंदोलनरत किसानों दिल्ली कूच का प्लान दो दिन टाल दिया है। दरअसल हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर पुलिस और किसानों की झड़प में एक किसान की मौत हो गई। किसानों संगठन एआईकेएस का आरोप है कि पुलिस की कार्रवाई के दौरान किसान की जान गई है, हालांकि हरियाणा पुलिस ने इस बात से इनकार कर दिया।

बल्लो गांव के चरणजीत सिंह के बेटे शुभकरण सिंह की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई, इसके साथ ही खनौरी और शंभू बॉर्डर पर दर्जनों किसानों को चोटें आई हैं। पटियाला के जिस अस्पताल में शुभ करण सिंह को ले जाया गया था, वहां के एक डॉक्टर ने कहा कि उन्हें गोली लगी है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ सकेगी। अस्पताल के सीनियर चिकित्सा अधिकारी डॉ रेखी ने कहा, खनौरी से तीन मरीज हमारे पास आए, उनमें से एक की मौत हो चुकी थी, अन्य दो की हालत स्थिर है। ऐसा लगता है कि उन्हें गोली लगी है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती।

### पुलिस का दावा-मौत की खबर अफवाह है

हरियाणा पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, आज किसी किसान की मौत नहीं हुई है, यह सिर्फ एक अफवाह है, डेटा में दो पुलिसकर्मियों और एक प्रदर्शनकारी के घायल होने की सूचना है, जिनका इलाज चल रहा है।

### ट्रेड यूनियन 23 फरवरी को पूरे भारत में काला दिवस मनाएंगे

ट्रेड यूनियनों ने भी प्रदर्शनकारी युवा किसान की नृशंस हत्या और दर्जनों के घायल होने की कड़ी निंदा करते हुए 23 फरवरी को पूरे भारत में काला दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। ट्रेड यूनियनों ने कहा कि काले बैज पहनें, लंच के समय विरोध प्रदर्शन करें, धरना दें, जुलूस निकालें, मशाल/मोमबत्ती की रोशनी में विरोध प्रदर्शन कर देश के मजदूरों और किसानों के प्रति केंद्र सरकार के वरूर रवैये पर अपनी पीड़ा व्यक्त करें।

### मान सरकार ने कोई काम नहीं किया : हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के किसान आंदोलन के मामले में हरियाणा सरकार पर लगाए गए आरोप पर हरियाणा बीजेपी के अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था अगर हरियाणा सरकार किसानों को दिल्ली जाने से नहीं रोकती तो कोई मौत नहीं होती। इस बार नायब सैनी ने कहा कि भगवंत मान किसानों को लेकर राजनीति कर रहे हैं। सीएम मान का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। इस प्रकार की घटिया राजनीति किसी भी को नहीं करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों की सुरक्षा का ख्याल रखा है, किसान सम्मान निधि दी है, देश का किसान समझता है कि वो प्रधानमंत्री की नीतियों से खुश है, पराली के धुएं के चलते जब प्रदूषण हुआ तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के किसानों को भला बुरा कहा था- केजरीवाल ने कहा था पंजाब के किसानों के पराली जलाने से प्रदूषण दिल्ली में आ रहा है।

### कुछ मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की जरूरत : अर्जुन मुंडा

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा किसानों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि किसानों के साथ किसानों के मुद्दे पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। किसानों को समझाया गया है कि चर्चा के जरिए हल निकाला जाएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने उन्हें बताया है कि केवल चर्चा से ही इस मामले का हल निकाला जाएगा। हमें एक साथ मिलकर हल निकालना चाहिए, जिससे की ये सबसे लिए लाभदायक हो। मुझे उम्मीद है कि एकसाथ हम हल निकाल लेंगे।

### पंजाब के दो विधायकों समेत 15 कांग्रेसियों पर केस दर्ज

दिल्ली के लिए निकले पंजाब के किसानों को रोकने और उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई के विरोध में हरियाणा मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने पर पंजाब के दो विधायकों समेत 15 कांग्रेसियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

**तीन घंटे सड़क रखा जाम**

संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से खनौरी बॉर्डर पर मारे गए बठिंडा के किसान के रोष में सड़क जाम का ऐलान किया गया है। भारतीय किसान यूनियन कादिया के अध्यक्ष हरमीत सिंह कादियान ने बताया कि दिल्ली कूच के समर्थन में नहीं है मगर किसानों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ व आवाज बुलंद करवा करेंगे। शंभू बॉर्डर पर बुजुर्ग किसान मोर्चा संभाले हुए हैं। उन्होंने सीमा पर एक रस्सी बांधी है ताकि नौजवान उससे लांघे नहीं।

फोटो : 4पीएम

**प्रदर्शन** 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने 6800 सीटों पर नियुक्ति की माँग को लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के आवास के सामने किया प्रदर्शन।

## यमुना में गिरी कार छह लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी जिले में एक कार के यमुना नदी में गिर जाने से इसमें सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह हादसा बुधवार देर रात एक बजे के बाद दिल्ली-यमुनोत्री राजमार्ग पर अगलार पुल के पास हुआ। कार में सवार लोगों से जब उनके परिजनों का संपर्क नहीं हो सका तो इस बारे में पुलिस को सूचना दी गई। उपजिलाधिकारी (नैनबाग) मंजू राजपूत ने कहा कि कार में सवार लोगों के मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार को शाम करीब चार बजे नदी किनारे देखा गया। मृतकों की पहचान प्रताप (30) और राजपाल (28), राजपाल की पत्नी जसीला (25), वीरेंद्र (28) और चालक विनोद (35) के रूप में हुई है। ये सभी मौताद मोरी गांव के रहने वाले थे, जबकि मुन्ना (38) देवत्री गांव के रहने वाले थे।

## गारंटी के बावजूद किसान कर रहे आत्महत्या : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को तरह-तरह की ''गारंटी'' दे रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ किसान बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। पुणे जिले में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री दिलीप वलसे पाटिल के गृह क्षेत्र अंबेगांव तहसील के मंचर में एक सम्मेलन में राकांपा (शरदचंद्र पवार) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री पवार ने कृषि क्षेत्र की एक गंभीर तस्वीर पेश की।

उन्होंने कहा, आज, देश में किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वे कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपने उत्पादों के लिए लाभकारी मूल्य नहीं मिलता है। यदि लागत अधिक है और उत्पादन कम है, तो इससे किसान कर्ज में डूब जाते हैं और इसके कारण किसान अतिवादी कदम उठा रहे हैं। ऐसी स्थिति इस समय देश में बनी हुई है। राज्यसभा सदस्य पवार ने कहा कि अखबार और टेलीविजन चैनल विज्ञापनों से भरे हुए हैं, जहां प्रधानमंत्री किसानों को उनकी उपज के लिए अच्छी कीमत जैसी विभिन्न गारंटी की पेशकश करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने केंद्र की आलोचना करते हुए कहा, एक तरफ, मोदी की गारंटी है, लेकिन दूसरी तरफ, कहीं न कहीं कोई (किसान) आत्महत्या कर रहा है।

# बैंक खातों से पैसे चुरा रही बीजेपी : वेणुगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आयकर विभाग द्वारा एआईसीसी, भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई खातों से 65.89 करोड़ रुपये काटे जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के बैंक खातों से पैसे चुरा रही है। राजनेता ने कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्तारूढ़ थी तो उसने कभी भी भाजपा के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया।

उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) बैंकों से हमारा पैसा चुरा रहे हैं। हमने भी इस देश पर शासन किया है। यदि ऐसा कोई उदाहरण है तो भाजपा बता सकती है कि उन्हें कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार या कांग्रेस सरकार के दौरान इस प्रकार का अनुभव हुआ था। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि बीजेपी ने एक राजनीतिक दल के तौर पर कभी कोई इनकम टैक्स नहीं दिया है, उन्होंने कहा कि आयकर कटौती लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों पर हमला है। उन्होंने कहा कि वे भारत के विरोध की आवाज को बंद करने की कोशिश कर रहे हैं,यह स्पष्ट रूप से तानाशाही का उदाहरण है।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि बीजेपी के उलट कांग्रेस को ये पैसा पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिला। बैंकों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, भाजपा सरकार ने बैंकों को हमारी जमा राशि से लगभग 65.89 करोड़ सरकार को हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के विपरीत, हमें यह पैसा पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं से मिला, संसद चुनाव से ठीक पहले, प्रमुख विपक्षी दल का खाता भाजपा सरकार द्वारा हाईजैक कर लिया गया।

## » कांग्रेस का बड़ा आरोप: बैंकों पर दबाव बनाया गया

### राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अखिलेश 25 को हो सकते हैं शामिल

लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में इंडिया अलायंस के तहत गठबंधन का एलान होने के बाद अहम सवाल यह था कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव, राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा में कब शामिल होंगे। अब इसका भी जवाब मिलता दिख रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने दावा किया है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव 25 फरवरी को आगरा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा एक हफ्ते पहले खत्म हो जाएगी। जानकारी के अनुसार 13-14 मार्च को मुंबई में रैली के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन हो सकता है। इसके बाद बड़ी रैली का आयोजन होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।